बेसहारा शहरी बेघरों के लिए सहारा बना आश्रय गृह

सक्सेस स्टोरी

आश्रय गृह में उपलब्ध है मूलभूत सुविधाएं

शहरी बेघरों के लिए सहारा बना आश्रय गृह

वरीय संवाददाता, जमशेदपुर

मानगो दाईगुटू आश्रय गृह में रहने वाले चाईबासा निवासी विजय गोप का इस दुनिया में कोई नहीं है. माता-पिता के निधन के बाद काम की तलाश में वह जमशेदपुर आये. रात में मानगो चौक किनारे सोते थे.

निगम की टीम ने रेस्क्यू कर दाईगुटू आश्रय गृह पहुंचाया. अब उन्हें आश्रय गृह में बेड, मच्छरदानी, पानी आदि कई सुविधाएं मिल रही है. पिछले तीन माह से आश्रय गृह में रहकर मजदूरी का काम कर जीविका चला रहे हैं. आश्रय गृह में कई मजदूर, कूड़ा-कचरा चुनने वाले, बुजुर्ग रह रहे हैं.

स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह की अवधि विजय गोप को निःशुल्क खाना भी उपलब्ध कराया गया. आश्रय गृह की जिम्मेदारी मानगो निगम के नगर प्रबंधक निर्मल कुमार संभालते हैं. जबकि प्रतिज्ञा स्वयं सहायता समूह की ओर से यहां रहने वालों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है. स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह के अवधि के दौरान प्रतिदिन 8 से 10 बेघरों को समूह ने खाना निःशुल्क उपलब्ध कराया.

मानगो निगम में चल रहा दो आश्रय गृह

कार्यपालक पदाधिकारी दीपक सहाय ने बताया दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत निगम की ओर से दो आश्रय गृह कुमरूम बस्ती एवं दाईगुटू में संचालित किये जा रहे हैं. दोनों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है. हर माह शेल्टर मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में यहां रहने वालों को सुविधा पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है. इससे नगर निगम के क्षेत्रों को काफी लाभ हो रहा है.